Lesson-2

बन्दे है हम उसके

आसमान कि छत पे है अपनी दुनिया खिलखिलाती है जिसमें
अपनी ख़ुशियाँ चाँद कि छलनी लिए तारे चुनते हैं हम जादुई है
ये जहां नहीं है कोई ग़म

बन्दे हैं हम उसके हमपे किसका ज़ोर उम्मीदों के सूरज निकले
चारों और इरादें हैं फौलादी हिम्मती हर क़दम अपने हाथों
किस्मत लिखने आज छले हैं हम

आसमान कि छत पे है अपनी दुनिया खिलखिलाती है जिसमें
अपनी ख़ुशियाँ सूरज कि पलकों तले धूप बुनते हैं हम जादुई
है ये जहां नहीं है कोई ग़म

बन्दे हैं हम उसके हमपे किसका ज़ोर उम्मीदों के सूरज निकले
चारों और इरादें हैं फौलादी हिम्मती हर क़दम अपने हाथों
किस्मत लिखने आज छले हैं हम |